हिंदी (लोकवाणी)

हिंदी (लोकवाणी) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (मार्च 2021)

समय : 2 घंटे] **[कुल अंक : 40**

टिप्पणी : कोव्हिड-19 के कारण यह परीक्षा नही हुई।

हिंदी (लोकवाणी) : बोर्ड की कृतिपत्रिका (सितंबर 2021)

(आदर्श उत्तरों सहित)

समय : 2 घंटे] **[कुल अंक : 40**

सूचनाएँ : *(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य (12 अंक)

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 6 अंक

गाँव के उस आगंतुक भले व्यक्ति ने उस आदमी से उसका नाम-पता पूछा, पर वह कोई उत्तर नहीं दे सका। वह केवल इतना बोल पाया, ''शायद मैं खो गया हूँ!'' यह सुनते ही गाँव के उस भले व्यक्ति ने निश्चय किया कि वे सब उसे 'खोया हुआ आदमी' कहकर बुलाएँगे।

खोया हुआ आदमी इतना खोया था, इतना खोया था कि उसकी पूरी स्मृति का लोप हो चुका था। उसके जहन से उसका नाम और पता पूरी तरह खो चुके थे। न उसे अपनी जाति पता थी, न अपना धर्म। लेकिन अपने खोएपन में भी उसमें परिचित-जैसा कुछ था, जो उसे अपना-सा बना रहा था। लिहाजा जब उसे गाँव के अन्य लोगों के पास ले जाया गया तो उसे देखते ही सभी एक स्वर में बोल उठे, ''अरे, यह खोया हुआ आदमी तो बेहद अपना-सा लग रहा है।'' उन्होंने उसे अपने ही गाँव में रख लेने का फैसला किया।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए : 2

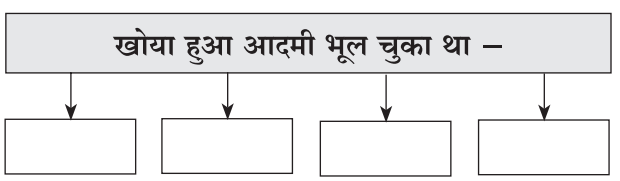

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए : 1

(1) जाति –

(2) निश्चय –

(ii) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए : 1

(1) धर्म – ----------

(2) अपना – ----------

(3) 'सभी के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार करना चाहिए' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6 अंक**

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आप में मेरे पास न तो खुशबू है, न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझ पर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(1) (i) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए : **1**

हवा में घुलने वाली –

(1) ----------

(2) ----------

(ii) लिखिए : **1**

हवा ने राजा को बताए उपाय –

(1) लोग – ---------- (2) लोग – ----------

(2) निम्न तद्धित शब्दों में आए मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **2**

(i) गंदगी – (ii) खुशबू –

(iii) सफाई – (iv) जहरीली –

(3) 'बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के लिए उपाय' पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 2 : पद्य (8 अंक)

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।

जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।

नैनों अंतर आव तूँ, नैन झाँपि तोहिं लेवँ।
ना मैं देखौं और को, ना तोहि देखन देवँ।।

लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल।।

(1) कृति पूर्ण कीजिए :

उचित जोड़ियाँ मिलाइए : **2**

क्र.	'अ'	उत्तर	'आ'
1.	लाली	----------	कुंभ
2.	बाल	----------	लाल
3.	शिष्य	----------	कुम्हार
4.	गुरु	----------	बाँका

(2) पहले दो दोहों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

प्र. 2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4 अंक**

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्र प्रकाश है।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है।।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए : **2**

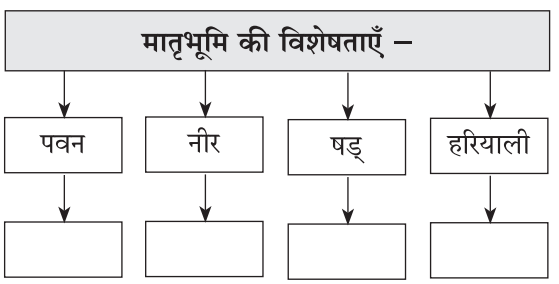

(2) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) (8 अंक)

प्र. 3. निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8 अंक**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए : **1**

(i) प्रसिध्ध, प्रसिद्ध, परसिद्ध, प्रसीद्ध – ----------

(ii) अग्रह, आग्रह, आगृह, आगरह – ----------

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) सिर्फ

(ii) वाह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए : 1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
---------	सत् + जन	---------

अथवा

देवेश	---------	---------

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

(दंग रहना, सिहर उठना।)

ताजमहल की कारीगरी देखकर लोग आश्चर्यचकित होते हैं।

अथवा

- **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

चौपट हो जाना।

(5) काल भेद पहचानिए तथा काल परिवर्तन कीजिए : 2

(i) निम्नलिखित वाक्य का काल भेद पहचानिए :

मैं नहीं जानता मैं कहाँ गिरूँगा।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :

(1) वह तुम्हें बुरा-भला कहती है। *(अपूर्ण वर्तमानकाल)*

(2) मुझे देखते ही चाय हाजिर कर देती है। *(सामान्य भूतकाल)*

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन कीजिए : 2

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए :

कुछ पौधे तो चुपचाप मुसकरा रहे हैं।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए :

ठीक है, मुकदमे की कार्यवाही शुरू करें। *(निषेधार्थक वाक्य)*

विभाग 4 : रचना विभाग (उपयोजित लेखन) (12 अंक)

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। **12 अंक**

प्र. 4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए :

(अ) (1) पत्र-लेखन : 4

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए :

कक्षा दसवीं में पढ़ने वाली/वाला रमा/रमेश वर्मा, 4/139, सरस्वती नगर, पुणे से केंद्रीय विद्यालय, पुणे के प्रधानाचार्य के द्वारा मा. शिक्षाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा विभाग, जिला परिषद, औरंगाबाद को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना-पत्र लिखती/लिखता है।

अथवा

अनुपम/अनुपमा अवस्थी, 10, लव-कुश, महाराष्ट्र नगर, मुंबई से अपने मित्र/सहेली दीपक/दीपिका देशमुख, सेक्टर 15, तलोजा नगर, न्यू पनवेल को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी-लेखन : 4

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

दो मित्र – सागर में तूफान – नौका टूटना – दोनों का एकही तख्ते का सहारा लेना – तख्ता केवल एक का भार सँभालने में समर्थ – 'मेरी माँ का ध्यान रखो' इस सूचना के साथ अविवाहित मित्र का तख्ते को छोड़ देना – दूसरे का बचना – सीख।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए।

नहाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

*[**मुद्दे** : साबुन की विशेषताएँ – दूसरे साबुनों से भिन्नता – कीमत – विशेष छूट]*

प्र. 4. (आ) निबंध-लेखन : 4

- **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(1) मेरी अविस्मरणीय यात्रा।

(2) मेरे प्रिय अध्यापक।

★ ★ ★

बोर्ड की कृतिपत्रिका के उत्तर (सितंबर 2021)

प्र. 1. (अ)

(1)

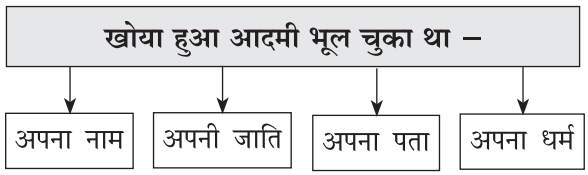

(2) **(i)** (1) उपसर्ग – प्र = प्रजाति

(2) उपसर्ग – अ = अनिश्चय।

(ii) (1) धर्म – धार्मिक

(2) अपना – अपनापन।

(3) हम दूसरों के साथ जो बर्ताव करते हैं, वह उनके प्रति हमारा व्यवहार कहलाता है। जीवन में व्यवहार का बहुत महत्त्व होता है। हम दूसरों के साथ जैसा व्यवहार करेंगे, हमारे साथ भी वैसा ही व्यवहार होगा। हम लोगों से स्नेहपूर्ण व्यवहार करेंगे, तो लोग हमारे साथ भी वैसा ही व्यवहार करेंगे। स्नेहपूर्ण व्यवहार में चुंबकीय शक्ति होती है। ऐसा व्यक्ति लोगों का प्रिय बन जाता है। स्नेहपूर्ण व्यवहार करने वाले व्यक्ति के प्रति लोगों के मन में अच्छी धारणा बन जाती है। लोग ऐसे लोगों के प्रति आकर्षित होते हैं और उसे सम्मान की दृष्टि से देखने लगते हैं। अच्छे व्यवहार से बिगड़े काम भी आसानी से बन जाते हैं। लोग ऐसे व्यक्ति से मित्रता करने में नहीं झिझकते। इसलिए हमें लोगों के साथ सदा स्नेहपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। स्नेहपूर्ण व्यवहार से सबको मानसिक प्रसन्नता होती है।

प्र. 1. (आ)

(1) **(i)** हवा में घुलने वाली –

(1) कारखानों से निकली गंदगी।

(2) गैसें।

(ii) हवा ने राजा को बताए उपाय –

(1) लोग गंदगी के ढेर न लगाएँ।

(2) लोग सफाई रखें और कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(2) (i) गंदगी – गंदा

(ii) खुशबू – बू

(iii) सफाई – साफ

(iv) जहरीली – जहर।

(3) प्रदूषण एक प्रकार का धीमा जहर है। यह वायु, जल, ध्वनि आदि के माध्यम से प्राणियों, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों आदि को नष्ट कर रहा है। इस पर अंकुश लगाना जरूरी हो गया है। कुछ कारगर उपाय करके इसमें कमी लाई जा सकती है। शहरों के नालों का गंदा पानी और कारखानों का रासायनिक पानी और कचरा नदियों और झीलों में प्रवाहित करने पर रोक लगानी चाहिए। कारखानों की चिमनियों की ऊँचाई अधिक रखनी चाहिए। गाँवों में पेय जल वाले तालाबों और झीलों की स्वच्छता की व्यवस्था

होनी चाहिए, ताकि इनके जल को प्रदूषित होने से बचाया जा सके। प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग करने से परहेज करना जरूरी है। इसके अलावा समारोहों, उत्सवों में पटाखों का उपयोग रोकना चाहिए तथा लाउडस्पीकरों की आवाज पर अंकुश लगाना चाहिए। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकना चाहिए और अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। इसके साथ ही प्रदूषण से बचने के लिए लोगों में जागरूकता उत्पन्न करनी चाहिए और प्रदूषणसंबंधी सभी कानूनों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। इन उपायों के द्‌वारा प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

प्र. 2. (अ)

(1) 1. लाली – लाल
2. बाल – बाँका
3. शिष्य – कुंभ
4. गुरु – कुम्हार।

(2) गुरु अपने शिष्य को किस प्रकार गढ़कर सुघड़ बनाता है, इसका उदाहरण देते हुए संत कबीर कहते हैं कि गुरु कुम्हार के समान होता है। उसका शिष्य मिट्‌टी के कच्चे घड़े की तरह होता है। गुरु कुम्हार की भाँति अपने शिष्य रूपी घड़े के दोषों को ढूँढ़-ढूँढ़कर निकालता है। जैसे, कुम्हार घड़े के भीतर से हाथ का सहारा देकर उसको सुधारने के लिए उस पर बाहर से चोट करता है, उसी प्रकार शिष्य के दोषों (दुर्गुणों) को दूर करने के लिए गुरु बाहर से कठोर वचनों की चोट करता है, परंतु शिष्य को हृदय से अपना कृपा रूपी सहारा प्रदान करता है।

ईश्वर जिसकी रक्षा करते हैं, उसे कोई नहीं मार सकता। भले ही सारा संसार ऐसे व्यक्ति का दुश्मन हो जाए, तब भी कोई उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता।

प्र. 2. (आ)

(1)

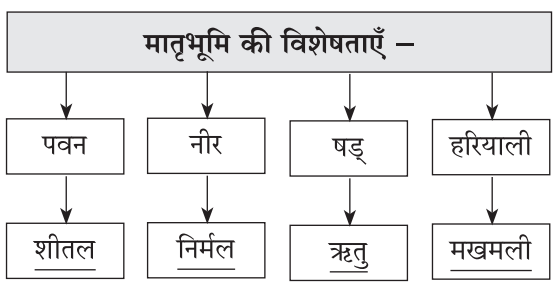

(2) मातृभूमि, तुम्हारा शुद्‌ध जल अमृत के समान उत्तम है। जब शीतल, मंद और सुगंधित समीर चलता है, तो वह दिन भर किए गए परिश्रम के तनाव को हर लेता है। हमारे देश में छहों ऋतुएँ क्रम से आती हैं और प्रकृति के विभिन्न दृश्य प्रस्तुत करती हैं। गरमी का ताप, उसके बाद वर्षा की फुहारें, शरद की स्वच्छता, हेमंत, फिर शिशिर की सरदी और उसके बाद आता है ऋतुराज बसंत। यहाँ की भूमि ऐसी हरी-भरी है कि देखकर लगता है मानो हरे मखमल के फर्श बिछे हैं।

प्र. 3.

(1) (i) प्रसिद्‌ध
(ii) आग्रह।

(2) (i) हमे सिर्फ सच बोलना चाहिए।
(ii) वाह! सुरेश ने बहुत अच्छा किया।

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
सज्जन	सत् + जन	व्यंजन संधि

अथवा

देवेश	देव + ईश	स्वर संधि

(4) • ताजमहल की कारीगरी देखकर लोग दंग रह जाते हैं।

अथवा

• **मुहावरा** – चौपट हो जाना।

अर्थ : नष्ट हो जाना।

वाक्य : कोरोना की महामारी से लाखों लोगों का धंधा-व्यापार चौपट हो गया।

(5) (i) सामान्य भविष्यकाल।

(ii) (1) वह तुम्हें बुरा-भला कह रही है।

(2) मुझे देखते ही चाय हाजिर कर दी।

(6) (i) सरल वाक्य।

(ii) ठीक है, मुकदमे की कार्यवाही बंद न करें।

प्र. 4. (अ) तथा (आ)

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।

★ ★ ★